

को खुशक करना 2. क्षीण तथा दुर्बल करना (शरीर के संबंध में) 3. नष्ट करना अ.क्रि. 1. सुखकर प्रतीत होना, अच्छा या भला लगना 2. शरीर के लिए अनुकूल तथा सह्य होना।

**सुखानी पुं.** (अर.) माँझी, मल्लाह।

**सुखाय पुं.** (तत्.) गहन या प्रगाढ़ निद्रा।

**सुखायन वि.** (तत्.) सहज में बश में आने वाला, सीखा और सधा हुआ।

**सुखारा वि.** (तद्.) 1. सुखी 2. सरल।

**सुखारि पुं.** (तत्.) उत्तम हवि भक्षण करने वाले अर्थात् देवता आदि।

**सुखारी वि.** (तद्.) सुखारा पुं. सुखारि (देवता)।

**सुखार्थी वि.** (तद्.) सुख चाहने वाला, सुख की इच्छा करने वाला।

**सुखाला वि.** (तद्.) 1. सुखी 2. सहज, सुगम।

**सुखालोक वि.** (तत्.) सुंदर, मनोहर।

**सुखावत वि.** (देश.) सुखवत।

**सुखावती स्त्री** (तत्.) बौद्धों के अनुसार एक स्वर्ग।

**सुखावतीश्वर पुं.** (तत्.) 1. बुद्ध देव 2. बौद्धों के एक देवता।

**सुखावह वि.** (तत्.) सुखद, सुख देने वाला।

**सुखाश वि.** (तत्.) 1. जो खाने में बहुत अच्छा जान पड़े 2. जिससे सुख प्राप्त होने की आशा हो पुं. 1. वरुण 2. तरबूज।

**सुखाशा स्त्री.** (तत्.) सुख पाने की आशा, आराम की उम्मीद।

**सुखाश्रय वि.** (तत्.) जिस पर सुख अवलंबित हो, सुख का आधार पुं. ऐसा स्थान जहाँ सुख मिलता हो।

**सुखासन पुं.** (तत्.) सुखद आसन, वह आसन जिस पर बैठने में आराम मिले, पालकी।

**सुखिया वि.** (देश.) सुखी उदा. 'सुखिया सब संसार है खावै अरु सोबै' -कबीरदास।

**सुखिवआ वि.** (देश.) सुखी।

**सुखी वि.** (तत्.) 1. जिसे सुख की अनुभूति हो रही हो 2. जिसे सुख प्राप्त हो, सुखपूर्ण वातावरण में रहने या पलने वाला 3. सुखों से भरा स्त्री. सवैया छंद का चौदहवाँ भेद जिसके प्रत्येक चरण में आठ सगण और तब लघु और गुरु वर्ण होता है, इसमें 12 और 14 वर्णों पर यति होती है।

**सुखीन पुं.** (देश.) एक प्रकार का पक्षी जिसकी पीठ लाल, छाती और गर्दन सफेद तथा चोंच चिपटी होती है।

**सुखेतर पुं.** (तत्.) दुख, कष्ट, विपत्ति, क्लेश वि. सुख से इतर या भिन्न।

**सुखेन अव्य.** (तत्.) 1. सुखपूर्वक, सुख से 2. बहुत ही सहज में, बिना विशेष प्रयास के, सरलता से उदा. 'लरहिं सुखेन काल किन होऊ'- तुलसी।

**सुखेष्ठ पुं.** (तत्.) शिव, महादेव।

**सुखैना वि.** (तद्.) 1. सुखी 2. सुख देने वाला 3. सहज में प्राप्त होने वाला।

**सुखोदक पुं.** (तत्.) गरम पानी, उष्ण जल।

**सुखोदय वि.** (तत्.) जिसका परिणाम सुखद हो पुं. 1. ऐसी स्थिति जिसमें सुख-समृद्धि का आरंभ हो रहा हो 2. सुख की होने वाली अनुभूति 3. कोई मादक पेय 4. पुराणानुसार एक वर्ष या भू-खंड।

**सुखोष्ण वि.** (तत्.) गुनगुना, जो इतना उष्ण हो कि सुखद प्रतीत होता हो पुं. कुनकुना जल।

**सुखत स्त्री.** (देश.) सुरति।

**सुख्य वि.** (तत्.) सुख-संबंधी, सुख का।

**सुख्यात वि.** (तत्.) जिसकी अच्छी या विशेष, प्रसिद्धि हो, प्रसिद्ध, मशहूर।

**सुख्याति स्त्री.** (तत्.) सुख्यात होने की अवस्था या भाव, विशेष रूप से होने वाली प्रसिद्धि, कीर्ति, यश।